एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 03 (मई-जून, 2022)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

कार्बन तटस्थ खेती: खेती का एक नया तरीका

(*जितेंद्र कुमार यादव)
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर
* jkyadavrca@gmail.com

जलवायु परिवर्तन से वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, गरीबी उन्मूलन और सतत विकास हासिल करने की हमारी क्षमता को खतरा है। इसका कृषि उत्पादकता पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है, जिसमें वर्षा के बदलते पैटर्न, सूखा, बाढ़ और कीटों और रोगों के भौगोलिक पुनर्वितरण शामिल हैं। इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की जलवायु परिवर्तन और भूमि पर विशेष रिपोर्ट के अनुसार, कृषि-खाद्य प्रणाली वर्तमान में वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 30% से अधिक का योगदान करती है। यह माना जाता है कि कार्बन-न्यूट्रल कृषि पर्यावरण संतुलन और बेहतर स्वास्थ्य और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित निर्वाह के लिए समय की आवश्यकता है। केरल देश का पहला राज्य बनने के लिए तैयार है, जो चयनित स्थानों में कार्बन-तटस्थ खेती के तरीकों को पेश करेगा, जिसके लिए सरकार ने 2022-23 के बजट में 6 करोड़ रुपये अलग रखे हैं।

खेती का एक नया तरीका

कृषि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का एक स्रोत है, खेतों में भी वातावरण से कार्बन को पकड़ने और इसे पेड़ों और मृदा जैसे कार्बन सिंक में संग्रहीत करने की महत्वपूर्ण क्षमता है। वृक्षारोपण और मृदा कार्बन को जोड़कर हम कृषि कार्बन तटस्थ स्थिति तक पहुंच सकते हैं।

समय के साथ हमारी बहुत सारी मृदा खराब हो गई है, इसलिए हमारे पास मृदा के प्रबंधन में सुधार करने, मृदा के स्वास्थ्य में सुधार करने, बेहतर चराई प्रबंधन के माध्यम से, बेहतर पोषक तत्व प्रबंधन के माध्यम से, बेहतर गहरी जड़ वाले चरागाह के माध्यम से मृदा की सूक्ष्मजीव विविधता में सुधार करने का अवसर है। बारहमासी फसलें या चारागाह प्रजातियाँ। ”

कार्बन न्यूट्रल खेती को बढ़ावा देने के लिए हमें किसानों को उनकी भूमि में कार्बन स्टोर करने के लिए सशक्त बनाना होगा। किसानों की भूमि कार्बन के सबसे बड़े भंडारों में से एक है और इसमें वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को पकड़ने की अपनी भूमिका का विस्तार करने की बहुत बड़ी क्षमता है। खेत पर, हमें ऐसे विकासशील उत्पादों में निवेश करने की आवश्यकता है जो किसानों को भूमि में कार्बन जमा करने में मदद कर सकें और प्रभाव को मापने के लिए डिजिटल उपकरण। हमें उन्हें कृषि द्वारा उत्पादित ग्रीनहाउस गैसों को कम करने और उनके द्वारा किए जा रहे अंतर को मापने के तरीकों में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। इससे किसानों को कृषि के लिए विकसित कार्बन क्रेडिट बाजारों में भाग लेने में मदद मिलेगी।

हमें मृदा स्वास्थ्य में सुधार के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। मृदा जीवन का आधार है, और जलवायु परिवर्तन से निपटने में कृषि के योगदान की भी। कार्बन को स्टोर करने के लिए, इसे जलवायु-स्मार्ट कृषि प्रथाओं के माध्यम से स्वस्थ और उपजाऊ होने की आवश्यकता है।

कार्बन-तटस्थ कृषि संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का समर्थन करती है :

नई प्रथाओं के अनुप्रयोग कृषि में एक नए युग का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं और खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन पर गहरा प्रभाव डालने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। कार्बन-तटस्थ कृषि एक प्रमुख क्षेत्र से उत्सर्जन को कम करने के अलावा, ऐसे कई लाभ हैं जो किसान और समाज कार्बन-तटस्थ खेती से प्राप्त कर सकते हैं। कृषि उत्पादकता बढ़ाने से दीर्घावधि में किसानों की ऊर्जा, संसाधन और धन की बचत होती है। जलवायु अनुकूलन योजनाओं को लागू करने से अब कृषि अनुकूलता को बढ़ावा मिल सकता है और किसानों को बदलते मौसम के पैटर्न के लिए तैयार किया जा सकता है।